Department:- Sanskrit

Sr. No.	Course	Course Code	Level	Syllabi	Weightage	No. of classes/week	Course specific outcome	Program specific outcome
1	संस्कृत काव्य एवं काव्यशास्त्र	A-130	UG	View Documents	50	3	छात्रों को पौराणिक ज्ञान एवं तात्कालिक सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान होगा एवं काव्यांगो का परिचय प्राप्त होगा	पुस्तकालय में जाकर शब्द कोशों की सहायता से कठिन शब्दों के अर्थ ढूँढना, नित्य नये शब्द याद करना, निबन्ध–लेखन–हेतु संबद्ध उद्धरणों का संकलन, सामूहिक चर्चायें एवं नृत्य–नाटिका का अभ्यास इत्यादि करते हैं।
2	व्याकरण अनुवाद और संस्कृत साहित्य का इतिहास	A-131	UG		50	3	वर्ण, शब्द–रचना तथा वाक्य रचना का ज्ञान, सन्धि समास का ज्ञान तथा संस्कृत साहित्य का उद्‌भव एवं विकास समझेंगे।	
3	नाटक और नाट्य साहित्य का इतिहास	A-230	UG		50	3	नाट्य साहित्य का व्यावहारिक ज्ञान एवं अभिनय कला में उपयोग सीखेंगे।	
4	व्याकरण, निबन्ध, गद्य साहित्य का इतिहास	A-231	UG		50	3	वर्ण, शब्द–रचना तथा वाक्य रचना का ज्ञान, सन्धि समास का ज्ञान।	
5	वेद उपनिषद, आर्षकाव्य और अलंकार	A-330	UG		50	3	वेद–विहित विविध विज्ञानों को समझेगें।	
6	गद्यकाव्य, नीतिकाव्य, व्याकरण और छन्द	A-331	UG		50	3	नीति ग्रन्थों में प्रतिपादित पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक नीतियों एवं उच्चादर्शो का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।	

Sr. No.	Course	Course Code	Level	Syllabi	Weightage	No. of classes/week	Course specific outcome	Program specific outcome
1	वेद, उपनिषद, शिक्षा एवं वैदिक साहित्य का इतिहास	G-1082	PG	View Documents	100	6	छात्र वेदों में विहित वैज्ञानिक तत्त्वों को समझ सकेगें एवं विधि प्रकारीय नैतिक ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।	पुस्तकालय में बैठकर संबद्ध साहित्य के अध्ययन पूर्वक शोध पत्र लेखन, सेमीनार, सामूहिक चर्चायें, श्लोकोच्चारण, संस्कृत–संभाषण, संस्कृत में श्लोक–रचना इत्यादि गतिविधियाँ की जाती हैं।
2	भारतीय दर्शन (न्याय–वैशेषिक, सांख्य एवं इतिहास)	G-1083	PG		100	6	छात्र न्याय वैशेषिक एवं सांख्य दर्षन का मूल स्वरूप, मूलसिद्धान्त समझने के लिये विषय पर दत्तचित्त होने के अभ्यासी होंगे।	
3	नाटिका एवं नाट्य शास्त्र	G-1084	PG		100	6	छात्र नाट्य शास्त्र का उद्भव तथा नाट्य शास्त्र का व्यावहारिक पक्ष एवं महत्त्व समझ सकेंगे।	
4	गीतिकाव्य एवं गद्यकाव्य	G-1085	PG		100	6	छात्र वर्ग यह समझ सकेगा कि काव्य अध्ययन एवं सर्जन से यष, अर्थ, व्यवहार एवं कल्याण की प्राप्ति होती है।	
5	संहिता निरूक्त एवं ऋग्वेदभाष्य भूमिका	G-2082	PG		100	6	ऋषियों द्वारा पर्यावरणीय चिन्तन एवं राष्ट्र विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।	
6	आर्शकाव्य एवं इतिहास	G-2083	PG		100	6	विदुलोपाख्यान में नारी महात्म्य, उद्योग पर्व में विदुर की नीतियों का वर्तमान में प्रासंगिकता।	
7	साहित्यालोचन	G-2084	PG		100	6	काव्यांगो का विषिष्ट परिचय एवं उनका महत्त्व जानेगें।	
8	भारतीय दर्शन	G-2085	PG		100	6	वेदान्त दर्षन के प्रमुख सिद्धान्तों के साथ–साथ योग की वर्तमान में प्रासंगिकता एवं महत्ता को समझेंगे।	

9	संस्कृत, व्याकरण, निबन्ध एवं अनुवाद	G-3082	PG		100	6	विद्यार्थी वर्ग, शब्द रचना, शब्दों का वास्तविक स्वरूप तथा संस्कृत में वाक्य रचना सीखेंगे।	
10	भाषा विज्ञान	G-3083	PG		100	6	अर्थ विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान की वर्तमान में सार्थकता, विश्व भाषाओं के अध्ययन से सामंजस्य की भावना।	
11	संस्कृत काव्यशास्त्र	G-3084	PG		100	6	छात्र वर्ग कवि–सृष्टि की विधाता की सृष्टि से उत्कृष्टता, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–स्वरूप, काव्य की आत्मा (रस), काव्यगत गुण एवं दोषों के विषय में ज्ञान प्राप्त करेंगे।	
12	संस्कृत महाकाव्य	G-3086	PG		100	6	बृहत्त्रयी के महाभारत पर आश्रित होने के कारण तत्संबन्धी सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान।	
13	रूपक एवं चंपू काव्य	G-4082	PG		100	6	रामायण कालीन संस्कृति एवं मृच्छकटिक कालीन सामाजिक सभ्यता एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होगा।	
14	महाकवि कालिदास एवं भारवि का विशिष्ट अध्ययन	G-4083	PG		100	6	भारत वर्ष के दो प्रसिद्ध महाकाव्यों (रामायण व महाभारत) पर आश्रित ग्रन्थों के अध्ययन से तात्कालिक संस्कृति से अवगत होंगे।	
15	साहित्य सिद्धान्त	G-4084	PG		100	6	छात्र वर्गकाव्यषास्त्र के प्रमुख चिन्तकों एवं उनके प्रमुख सिद्धान्तो का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।	
16	ब्राहमण, प्रातिशाख्य एवं निरूक्त	G-4085	PG		100	6	सत्य भाषण का महत्त्व एवं पुत्र–माहात्म्य का विशिष्ट ज्ञान।	